Sri Arvind Mahila College, Patna

Accredited by NAAC with B+ Grade

(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)

Organizing Department: Hindi

Hindi Day Celebration

18-09-2024

हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह में व्याख्यान सह पुस्तक लोकार्पण

श्रीअरविंद महिला कालेज के स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग द्वारा प्रो. शिव नारायण सिंह की अध्यक्षता में हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह में व्याख्यान सह पुस्तक लोकार्पण हुआ। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राज्य सूचना आयुक्त श्री ब्रजेश मेहरोत्रा और प्रसिद्ध कवि आलोक धन्वा ने चर्चित लेखक श्रीराम तिवारी द्वारा लिखित पुस्तक 'जीवनीकार अशोक कुमार सिन्हा' का लोकार्पण किया। चर्चित लेखक- पत्रकार डॉ ध्रुव कुमार ने आरंभ में बतौर मुख्य वक्ता पुस्तक परिचय दिया, तो कालेज की प्राचार्या प्रो. साधना ठाकुर ने स्वागत भाषण किया।

इस अवसर पर चर्चित लेखिका ममता मेहरोत्रा, श्रीराम तिवारी, अशोक कुमार सिन्हा आदि ने पुस्तक पर विस्तार से अपनी बातें रखी। समारोह का संचालन हिन्दी की सहायक प्रोफेसर डॉ प्रिया कुमारी ने किया, तो अंत में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ बलिराजी मौर्या ने धन्यवाद ज्ञापन किया। समारोह में बड़ी संख्या में लेखक, पत्रकार, कलाकार आदि उपस्थित रहे।

लेखक संघर्ष को इकट्ठा कर उसे प्रेरणा का मंत्र बनाता है : ब्रजेश

हिंदी पखवारे का समापन

पटना. जीवनियां मनुष्य के विचार, दर्शन और जीवन का दस्तावेज होती हैं. जीवनीकार अशोक कुमार सिन्हा के जीवन में संघर्ष के अनेक पड़ाव प्रेरित करने वाले हैं, जो नयी पीढ़ी को आगे बढ़ने की रोशनी देंगे. यह कहना था राज्य सूचना आयुक्त ब्रजेश मेहरोत्रा का. वे बुधवार को श्रीअरविंद महिला कॉलेज में हिंदी विभाग की ओर से हिंदी पखवारे के समापन समारोह में श्रीराम तिवारी की पुस्तक 'जीवनीकार अशोक कुमार सिन्हा' का विमोचन करते हुए कहीं. कवि आलोक धन्वा ने कहा कि अशोक कुमार सिन्हा का जीवन विरुद्ध परिस्थितियों में भी लगातार कार्य करते हुए संघर्ष और सफल रहा है, जिसे जानने से महान मूल्यों को जीने का अवसर मिलेगा. अशोक ने अनेक महान पुरुषों की जीवनी लेखन के द्वारा नयी पीढ़ी को आगे बढ़ने का मंत्र बताया है. वहीं लेखक अशोक कुमार सिन्हा ने कहा कि मैं किसान परिवार से आता हूं. बचपन से ही संघर्ष देखा है और इसी संघर्ष को अपनी प्रेरणा बनाकर कोशिश की, कि नयी पीढ़ी भी अपने संघर्ष और अभाव को सफलता में बदलने का हुनर सीख ले.

लेखक संघर्षों को जोड़ कर प्रेरणा का मंत्र बनाते हैं

श्रीराम तिवारी की पुस्तक 'जीवनीकार अशोक कुमार सिन्हा का लोकार्पण

सिटी रिपोर्टर. पटना

जीवनियां मनुष्य के विचार, दर्शन और जीवन के दस्तावेज होती हैं। जीवनीकार अशोक कुमार सिन्हा के जीवन में संघर्ष के अनेक पड़ाव प्रेरित करने वाले हैं, जो नई पीढ़ी को आगे बढ़ने की रोशनी देंगे। यह बात राज्य सूचना आयुक्त ब्रजेश मेहरोत्रा ने कहा। वे बुधवार को श्रीअरविंद महिला कॉलेज में हिंदी विभाग द्वारा हिंदी पखवारा के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अशोक कुमार सिन्हा ने अनेक प्रेरक पुरुषों की जीवनियां लिखी हैं, जिनमें उनके अपने पिता, साहित्यकार, राजनेता आदि शामिल हैं। संघर्ष से सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है, इसलिए संघर्ष को उन्होंने महापुरुषों के जीवन से एकत्र कर उसे प्रेरणा के मंत्र में बदला। समारोह में श्रीराम तिवारी की पुस्तक 'जीवनीकार अशोक कुमार सिन्हा के लोकार्पण किया गया। इस पुस्तक को 88 वर्षीय लेखक श्रीराम तिवारी ने लिखा है।

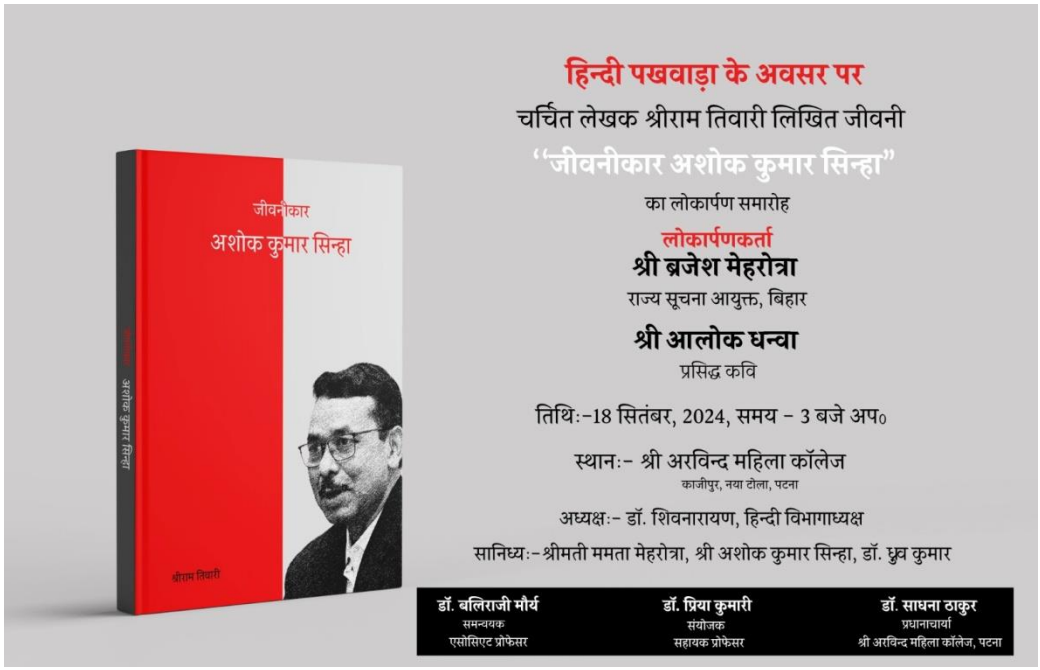

हिन्दी पखवाड़ा के अवसर पर

चर्चित लेखक श्रीराम तिवारी लिखित जीवनी

"जीवनीकार अशोक कुमार सिन्हा"

का लोकार्पण समारोह

लोकार्पणकर्ता

श्री ब्रजेश मेहरोत्रा

राज्य सूचना आयुक्त, बिहार

श्री आलोक धन्वा

प्रसिद्ध कवि

तिथि:-18 सितंबर, 2024, समय - 3 बजे अप०

स्थान:- श्री अरविन्द महिला कॉलेज

काजीपुर, नया टोला, पटना

अध्यक्ष:- डॉ. शिवनारायण, हिन्दी विभागाध्यक्ष

सानिध्य:-श्रीमती ममता मेहरोत्रा, श्री अशोक कुमार सिन्हा, डॉ. ध्रुव कुमार

डॉ. बलिराजी मौर्य	डॉ. प्रिया कुमारी	डॉ. साधना ठाकुर
समन्वयक	संयोजक	प्रधानाचार्या
एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर	श्री अरविन्द महिला कॉलेज, पटना

लेखक संघर्ष से प्रेरणा का मंत्र बनाता है

बोले ब्रजेश मेहरोत्रा

पटना, मुख्य संवाददाता। लेखक संघर्ष एकत्र कर उसे प्रेरणा का मंत्र बनाता है। उसी संघर्ष को वो अपनी लेखनी से व्यक्त करता है। ये बातें राज्य सूचना आयुक्त ब्रजेश मेहरोत्रा ने अरविंद महिला कॉलेज में हिन्दी पखवाड़े के समापन समारोह के दौरान कहीं।

कार्यक्रम में श्रीराम तिवारी की पुस्तक जीवनीकार अशोकर कुमार सिन्हा का लोकार्पण किया गया। अध्यक्षता साहित्यकार एवं हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. शिवनारायण सिंह ने की। मंच संचालन सहायक प्रोफेसर प्रिया कुमारी ने की। मौके पर लोकार्पणकर्ता आलोक धन्वा ने कहा कि अशोक कुमार सिन्हा का जीवन विरुद्ध परिस्थितियों से भी लगातार कार्य करते रहना है। पुस्तक का परिचय डॉ. ध्रुव कुमार ने दिया। लेखक श्रीराम तिवारी, लेखिका ममता मेहरोत्रा के साथ कई लोगों से विचार व्यक्त किये।